

**JL-106**

January-2021

B.A., Sem.-III

EC-II-204 : Hindi

(सूरज का सातवाँ घोड़ा – उपन्यास)

Time : 2 Hours]

[Max. Marks : 50

**खण्ड – I**

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

42

1. धर्मवीर भारती के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।
2. उपन्यास की परिभाषा देकर उसके प्रमुख तत्त्वों की चर्चा कीजिए।
3. ‘सूरज का सातवाँ घोड़ा’ उपन्यास का कथानक अपने शब्दों में लिखिए।
4. “‘सूरज का सातवाँ घोड़ा’ उपन्यास में आजादी के बाद भारतीय लोगों का सामाजिक जीवन चित्रित है।” समझाइए।
5. माणिक मुल्ला की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
6. जमुना का चरित्र-चित्रण कीजिए।
7. तना का चरित्र-चित्रण कीजिए।
8. निम्नलिखित परिच्छेद का संक्षेपण कीजिए :

कहानियों की टेक्नीक के बारे में उनका सबसे पहला सिद्धान्त था कि आधुनिक कहानी में आदि, मध्य या अन्त, तीनों में से कोई-न-कोई तत्व अवश्य छूट जाता है। ऐसा नहीं होना चाहिए। उनका कहना था कि कहानी वही पूर्ण है जिसमें आदि में आदि हो, मध्य में मध्य हो और अन्त में अन्त हो। इनकी व्याख्या वे यों करते थे : कहानी का आदि वह है जिसके पहले कुछ न हो। बाद में मध्य हो, मध्य वह है जिसके पहले आदि हो बाद में अन्त हो। अन्त उसे कहते हैं जिसके पहले मध्य हो बाद में रद्दी की टोकरी हो। कहानियों की टेक्नीक के बारे में उनका दूसरा सिद्धान्त यह था कि कहानियाँ चाहे छायावादी हों या प्रगतिवादी, ऐतिहासिक हों या अनैतिहासिक, समाजवादी हों या मुसलिमगिरी, किन्तु उसमें कोई-न-कोई निष्कर्ष अवश्य निकलना चाहिए। वह निष्कर्ष समाज के लिए कल्याणकारी होना चाहिए ऐसा उनका निश्चित मत था और इसलिए यद्यपि उन्होंने जीवनभर कोई कहानी नहीं लिखी पर वे अपने को कथा-साहित्य में निष्कर्षवाद का प्रवर्तक मानते थे। कथा-शिल्प की पूरी प्रणाली वे इस प्रकार बताते थे : कुछ पात्र लो और एक निष्कर्ष पहले सोच लो, जैसे .... यानी जो भी निष्कर्ष निकालना हो, फिर अपने पात्रों पर इतना अधिकार रखो, इतना शासन रखो कि वे अपने-आप प्रेम के चक्र में उलझ जायें और अन्त में वे उसी निष्कर्ष पर पहुँचे जो तुमने पहले से तय कर रखा है।

ਖਣਡ - II

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

8